SHRI RATANSINH RAJDA (Bombay South): He is an espouser of non-violence; so he will not beat his wife

MR. DEPUTY-SPEAKER: Yes, Mr. B. D. SINGH Please.

12.42 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377—*Contd.*

(viii) NEED FOR PROVIDING A HEALTHY SUGAR POLICY TO PROMOTE SUGAR INDUSTRY.

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, देश में स्पष्ट चीनी नीति के अभाव में चीनी उद्योग पुनः संकटग्रस्त हो चुका है। आज उद्योग के सामने चीनी की निकासी की समस्या उत्पन्न हो गई है। किसी भी वस्तु नीति का आवश्यक तत्व है कि वस्तु का भंडार आवश्यकता से न तो बहुत अधिक हो और न बहुत कम। परन्तु चीनी की अतिरिक्त मात्रा बहुत अधिक हो चुकी है। गत 30 सितम्बर को आवश्यक भंडार 12 लाख टन का होना चाहिए था, जब कि वह 33 लाख टन का था। इस प्रकार लगभग 21 लाख टन का भंडार सामान्य से अधिक था। प्रारम्भ होने वाले मौसम में अतिरिक्त भंडार की मात्रा में और बहुत अधिक वृद्धि हो सकती है। इस प्रकार समस्या और भी गम्भीर होने वाली है। मांग एवं पूर्ति में सामंजस्य के अभाव की स्पष्ट आशंका है। अगला मौसम आसन्न है और गन्ने का पिछला भुगतान अवशेष है। किसानों का करोड़ों रुपया चीनी मिलों पर बकाया है। मिलों के पास धन का अभाव है। भंडारण की समस्या है। मांग एवं पूर्ति के सामंजस्य को बनाए रखने का हर संभव प्रयास ही इस प्रकार के संकट से मुक्ति दिला सकता है। आवश्यकतानुसार उत्पादन को नियंत्रित करना होगा तथा चीनी की निकासी को बढ़ाना होगा। उत्पादन को नियंत्रित करने के लिए खंडसारी एवं गुड़ उद्योगों को विशेष सुविधायें दी जानी चाहिएं। जहां तक चीनी की निकासी का प्रश्न है विश्व बाज़ार में चीनी के मूल्यों में ह्रास होने के कारण हमें निर्यात के 7 लाख टन के निर्धारित लक्ष्य को ही प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। घरेलू बाज़ार में मूल्यों की ऊंची दर के कारण उपभोग में आशातीत वृद्धि नहीं हो पा रही है। हानि उठा कर चीनी के निर्यात की गुंजाइश सीमित है। एक मात्र विकल्प घरेलू उपभोग में वृद्धि ही है और यह तभी संभव है, जब मूल्यों में पर्याप्त ह्रास हो। इसके लिए चीनी के उत्पादन व्यय को कम करने के लिए गंभीरता से प्रयास होना चाहिए। चीनी पर लगे केन्द्रीय करों को कम करने पर विचार करना होगा। चीनी के क्रय-विक्रय भंडारण एवं आवागमन सम्बन्धी प्रतिबन्धों को समाप्त करना होगा।

नियंत्रित एवं अनियंत्रित चीनी की कीमतों की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार को चीनी पर से नियंत्रण हटाने की दिशा में गंभीरता से विचार करना चाहिए।

मैं माननीय कृषि मंत्री से निवेदन करूंगा कि वह सम्बन्धित संस्थाओं के सहयोग से एक सुविचारित दीर्घकालीन समन्वित दृष्टिकोण के आधार पर चीनी नीति निर्धारित करें, जिससे चीनी उद्योग आये-दिन अनिश्चितता के वातावरण से मुक्ति पा सके।

(ix) NEED FOR PROVIDING FACILITIES TO SMALL COTTAGE INDUSTRIES SITUATED AT BANSBAGH DURGA PUR, RAJASTHAN.

श्री भीखा भाई (बांसवाड़ा) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे निर्वाचन-क्षेत्र बांसवाग-डूंगरपुर के बन्द होते हुए छोटे एवं कुटीर उद्योगों की ओर मैं सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं।

श्रीमन्, इस क्षेत्र के उद्योगों सम्बन्धी कठिनाइयों के बारे में समय-समय पर